# संक्षिप्त विषयसूची


| | पृष्ठ |
|---|---|
| मुखपृष्ठ | १ |
| छपाई के खर्च का हिसाब | २ |
| चित्र ( श्री भैरोदान सेठिया ) | |
| पुस्तक प्रकाशन समिति | ३ |
| संक्षिप्त विषय सूची | ४ |
| सम्मतियाँ | ५ |
| चित्र (श्री सेठिया जैन पारमार्थिक संस्था) | |
| श्री सेठिया जैन पारमार्थिक संस्था की सन् १९४० की रिपोर्ट | ९ |
| दो शब्द | १३ |
| आभार प्रदर्शन | १३ |
| प्रमाण के लिये उद्धृत ग्रन्थों का विवरण | १४ |
| विषय सूची | १७ |
| शुद्धि पत्र | २२ |
| अकाराद्यनुक्रमणिका | २३ |
| मंगलाचरण | १ |
| आठवाँ बोल संग्रह | ३–१६२ |
| नवाँ बोल संग्रह | १६३–२२२ |
| दसवाँ बोल संग्रह | २२३–४५६ |
| परिशिष्ट | ४५७ |

# विषय सूची


| बोल नं० | | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| ५६४ | मांगलिक पदार्थ आठ | ३ |
| ५६५ | भगवान् पार्श्व नाथ के गणधरआठ | ३ |
| ५६६ | भगवान् महावीर के पास दीक्षित आठ राजा | ३ |
| ५६७ | सिद्ध भगवान् के आठ गुण | ४ |
| ५६८ | ज्ञानाचार आठ | ५ |
| ५६९ | दर्शनाचार आठ | ६ |
| ५७० | प्रवचन माता आठ | ८ |
| ५७१ | साधु और सोने की आठ गुणों से समानता | ९ |
| ५७२ | प्रभावक आठ | १० |
| ५७३ | संयम आठ | ११ |
| ५७४ | गणिसम्पदा आठ | ११ |
| ५७५ | आलोयणा देने वाले साधु के आठ गुण | १५ |
| ५७६ | आलोयणा करने वाले के आठ गुण | १६ |
| ५७७ | माया की आलोयणा के आठ स्थान | १६ |
| ५७८ | माया की आलोयणा न करने के आठ स्थान | १८ |
| ५७९ | प्रतिक्रमण के आठ भेद और दृष्टान्त | २१ |
| ५८० | प्रमाद आठ | ३६ |
| ५८१ | प्रायश्चित आठ | ३७ |
| ५८२ | झूठ बोलने के आठ कारण | ३७ |
| ५८३ | साधु के लिए वर्जनीय आठ दोष | ३८ |
| ५८४ | शिक्षाशील के आठ गुण | ३८ |
| ५८५ | उपदेश के योग्य आठ बातें | ३९ |
| ५८६ | एकल विहार प्रतिमा के आठ स्थान | ३९ |
| ५८७ | एकाशन के आठ आगार | ४० |
| ५८८ | आयम्बिल के आठ आगार | ४१ |
| ५८९ | पच्चक्खाण में आठ तरह का संकेत | ४२ |
| ५९० | कर्म आठ | ४३ |
| ५९१ | अक्रियावादी आठ | ९० |
| ५९२ | करण आठ | ९४ |
| ५९३ | आत्मा के आठ भेद | ९५ |
| ५९४ | अनेकान्तवाद पर आठ दोष और उनका वारण | १०२ |
| ५९५ | आठ वचन विभक्तियाँ | १०५ |
| ५९६ | गण आठ | १०८ |
| ५९७ | स्पर्श आठ | १०८ |
| ५९८ | दर्शन आठ | १०९ |
| ५९९ | वेदों का अल्प बहुत्व | |

आठ प्रकार से १०९
६०० आयुर्वेद आठ ११३
६०१ योगांग आठ ११४
६०२ छद्मस्थ आठ बातें नहीं देख सकता १२०
६०३ चित्त के आठ दोष १२०
६०४ महाग्रह आठ १२१
६०५ महानिमित्त आठ १२१
६०६ प्रयत्नादि के योग्य आठ स्थान १२४
६०७ रुचक प्रदेश आठ १२५
६०८ पृथ्वियाँ आठ १२६
६०९ ईषत्प्राग्भारा पृथ्वी के आठ नाम (ठा. सू. ६४८) १२६
६१० त्रस आठ १२७
६११ सूक्ष्म आठ १२८
६१२ तृण वनस्पतिकाय आठ (ठा. सू. ६१३) १२९
६१३ गन्धर्व (वाणव्यन्तर) के आठ भेद १२९
६१४ व्यन्तर देव आठ (ठा. सू. ६५४) १३०
६१५ लौकान्तिक देव आठ १३२
६१६ कृष्ण राजियाँ आठ १३३
६१७ वर्गणा आठ १३४
६१८ पुद्गल परावर्तन आठ १३६
६१९ संख्याप्रमाण आठ १४१
६२० अनन्त आठ १४७
६२१ लोकस्थिति आठ १४८
६२२ अहिंसा भगवती की आठ उपमाएं १५०
६२३ संघ की आठ उपमाएं १५६
६२४ भगवान् महावीर के शासन में तीर्थङ्कर गोत्र बांधने वाले जीव नौ १६३
६२५ भगवान् महावीर के नौ गण १७१
६२६ मनःपर्ययज्ञान के लिये आवश्यक नौ बातें १७२
६२७ पुण्य के नौ भेद १७२
६२८ ब्रह्मचर्यगुप्ति नौ १७३
६२९ निव्विगई पच्चक्खाण के नौ आगार १७४
६३० विगय नौ १७५
६३१ भिक्षा की नौ कोटियाँ (आचाराङ्ग प्रथम श्रुतस्कन्ध अध्ययन २ उ. ५ सू. ८८-८९) १७६
६३२ संभोगी को विसंभोगी करने के नौ स्थान १७६
६३३ तत्त्व नौ (पृष्ठ २०१ पर दिये उववाई सू. १९, उत्तराध्ययन अ. ३० और भगवती श. २५ उ. ७ के प्रमाण पृष्ठ १९६ के अन्त में निर्जरा तप के लिए समझने चाहिए १७७
६३४ काल के नौ भेद २०२
६३५ नोकषाय वेदनीय नौ २०३
६३६ आयुपरिणाम नौ २०४

६३७ रोग उत्पन्न होने के नौ स्थान २०५
६३८ स्वप्न के नौ निमित्त २०६
६३९ काव्य के रस नौ २०७
६४० परिग्रह नौ २११
६४१ ज्ञाता (जाणकार) के नौ भेद २१२
६४२ नैपुणिक नौ २१३
६४३ पापश्रुत नौ २१४
६४४ निदान (नियाणा) नौ २१५
६४५ लौकान्तिक देव नौ २१७
६४६ बलदेव नौ २१७
६४७ वासुदेव नौ २१७
६४८ प्रतिवासुदेव नौ २१८
६४९ बलदेवों के पूर्वभव के नाम नौ २१८
६५० वासुदेवों के पूर्वभव के नाम २१८
६५१ बलदेव और वासुदेवों के पूर्वभव के आचार्यों के नाम २१९
६५२ नारद नौ २१९
६५३ अनृद्धिप्राप्त आर्य के नौ भेद २१९
६५४ चक्रवर्ती की महा-निधियाँ नौ २२०
६५५ केवली के दस अनुत्तर २२३
६५६ पुण्यवान् को प्राप्त होने वाले दस बोल २२४
६५७ भगवान् महावीर स्वामी के दस स्वप्न २२४
६५८ लब्धि दस २३०
६५९ मुण्ड दस २३१
६६० स्थविर दस २३२
६६१ श्रमणधर्म दस २३३
६६२ कल्प दस २३४
६६३ ग्रहणैषणा के दस दोष २४२
६६४ समाचारी दस (प्रवचनसारोद्धार १०१द्वार) २४९
६६५ प्रव्रज्या दस २५१
६६६ प्रतिसेवना दस २५२
६६७ आशंसा प्रयोग दस २५३
६६८ उपघात दस २५४
६६९ विशुद्धि दस २५७
६७० आलोचना करने योग्य साधु के दस गुण २५८
६७१ आलोचना देने योग्य साधु के दस गुण २५९
६७२ आलोचना के दस दोष २५९
६७३ प्रायश्चित्त दस २६०
६७४ चित्त समाधि के दस स्थान २६२
६७५ बल दस २६३
६७६ स्थण्डिल के दस विशेषण २६४
६७७ पुत्र के दस प्रकार २६५
६७८ अवस्था दस २६७

६७९ संसार की समुद्र के साथ दस उपमा २६९
६८० मनुष्यभव की दुर्लभता के दस दृष्टान्त २७१
६८१ अच्छेरे (आश्चर्य) दस २७६
६८२ विच्छिन्न (विच्छेदप्राप्त) बोल दस २९२
६८३ दीक्षा लेने वाले दस चक्रवर्ती राजा २९२
६८४ श्रावक के दस लक्षण २९२
६८५ श्रावक दस २९४
६८६ श्रेणिक राजा की दस रानियाँ ३३३
६८७ आवश्यक के दस नाम ३५०
६८८ दृष्टिवाद के दस नाम ३५१
६८९ पइण्णा दस ३५३
६९० अस्वाध्याय (आन्तरिक्ष) दस ३५६
६९१ अस्वाध्याय (औदारिक) दस ३५८
६९२ धर्म दस ३६१
६९३ सम्यक्त्व प्राप्ति के दस बोल ३६२
६९४ सराग सम्यग्दर्शन के दस प्रकार ३६४
६९५ मिथ्यात्व दस ३६४
६९६ शस्त्र दस प्रकार का ३६४
६९७ शुद्ध वागनुयोग के दस प्रकार ३६५
६९८ सत्यवचन के दस प्रकार ३६८
६९९ सत्यामृषा(मिश्र) भाषा के दस प्रकार ३७०
७०० मृषावाद के दस प्रकार ३७१
७०१ ब्रह्मचर्य के दस समाधि स्थान ३७२
७०२ क्रोध कषाय के दस नाम ३७४
७०३ अहंकार के दस कारण ३७४
७०४ प्रत्याख्यान दस ३७५
७०५ अद्धापच्चक्खाण के दस भेद ३७६
७०६ विगय दस ३८२
७०७ वेयावच्च दस ३८२
७०८ पर्युपासना के परम्परा दस फल ३८३
७०९ दर्शन विनय के दस बोल ३८४
७१० संवर दस ३८५
७११ असंवर दस ३८६
७१२ संज्ञा दस ३८६
७१३ दस प्रकार का शब्द ३८८
७१४ संक्लेश दस ३८८
७१५ असंक्लेश दस ३८९
७१६ छद्मस्थ दस बातों को नहीं देख सकता ३८९
७१७ आनुपूर्वी दस ३९०
७१८ द्रव्यानुयोग दस

(७१८ के बजाय
६१८ भूल से छपा है ३९१
७१९ नाम दस प्रकार का ३९५
७२० अनन्तक दस ४०३
७२१ संख्यान दस ४०४
७२२ वाद के दस दोष ४०६
७२३ विशेष दोष दस ४१०
७२४ प्राण दस ४१३
७२५ गति दस ४१३
७२६ दस प्रकार के सर्व जीव ४१४
७२७ दस प्रकार के सर्व जीव ४१५
७२८ संसार में आने वाले प्राणियों के दस भेद ४१५
७२९ देवों में दस भेद ४१५
७३० भवनवासी देव दस ४१६
७३१ असुरकुमारों के दस अधिपति ४१७
७३२ नागकुमारों के दस अधिपति ४१८
७३३ सुपर्ण कुमार देवों के दस अधिपति ४१८
७३४ विद्युतकुमार देवों के दस अधिपति ४१८
७३५ अग्निकुमार देवों के दस अधिपति ४१८
७३६ द्वीपकुमार देवों के दस अधिपति ४१९
७३७ उदधिकुमारों के दस अधिपति ४१९
७३८ दिक्कुमार देवों के दस अधिपति ४१९
७३९ वायुकुमारों के दस अधिपति ४१९
७४० स्तनितकुमार देवों के दस अधिपति ४२०
७४१ कल्पोपन्न इन्द्र दस ४२०
७४२ जृम्भक देवों के दस भेद ४२०
७४३ दस महर्द्धिक देव ४२१
७४४ दस विमान ४२१
७४५ तृण वनस्पतिकाय के दस भेद ४२२
७४६ दस सूक्ष्म ४२३
७४७ दस प्रकार के नारकी ४२४
७४८ नारकी जीवों के वेदना दस ४२५
७४९ जीव परिणाम दस ४२६
७५० अजीव परिणाम दस ४२९
७५१ अरूपी जीव के दस भेद ४३४
७५२ लोकस्थिति दस ४३६
७५३ दिशाएं दस ४३७
७५४ कुरु क्षेत्र दस ४३८
७५५ वक्खार पर्वत दस (पूर्व) ४३९
७५६ वक्खार पर्वत दस (पश्चिम) ४३९
७५७ दस प्रकार के कल्पवृक्ष ४४०

७५८ महानदियाँ दस ४४०
७५९ महानदियाँ दस ४४१
७६० कर्म और उनके कारण दस ४४१
७६१ साता वेदनीय कर्म बाँधने के दस बोल ४४३
७६२ ज्ञान वृद्धि करने वाले नक्षत्र दस ४४४
७६३ भद्रकर्म बाँधने के दस स्थान ४४४
७६४ मन के दस दोष ४४७
७६५ वचन के दस दोष ४४८
७६६ कुलकर दस-गत उत्सर्पिणी काल के ४४९
७६७ कुलकर दस आने वाली उत्सर्पिणी के ४५०
७६८ दान दस ४५०
७६९ सुख दस ४५३


# शुद्धिपत्र

| अशुद्ध | शुद्ध | पृष्ठ | पंक्ति(ओली) |
|---|---|---|---|
| नियुक्ति | निर्युक्ति | ७८ | २१ |
| (ठाणांग सूत्र ६४६) | (ठाणांग, सूत्र ६४८) | १२७ | १८ |
| | (ठाणांग, सूत्र ६१३) | १२६ | १६ |
| (उववाई सूत्र १६) | ये तीनों प्रमाण पृष्ठ २०१ की ७ वीं पंक्ति | | |
| (उत्तराध्ययन अ० ३०) | में नहीं होने चाहिएं। इन्हें पृष्ठ १६६ के | | |
| (भगवती श० २५ उ०७) | अन्त में पढ़ना चाहिए। | | |
| नत्वों | तत्वों | २०१ | ८ |
| क | के | २१८ | १८ |
| (प्रवचनसारोद्धार) | (प्रवचनसारोद्धारद्वार १०१) | २५१ | ३ |
| कर कर | कर | २७४ | ८ |
| वेचावच | वेयावच्च | ३८३ | १० |
| देस्वते | देखते | ३६० | १५ |
| ६१८ | ७१८ | ३६१ | २२ |
| व्ययय | व्यय | ३६२ | १७ |
| उद्दशो | उद्देशा | ४१६ | २४ |

# अकाराद्यनुक्रमणिका


| बोल नं० | | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| ५९१ | अक्रियावादी आठ | ९० |
| ७३५ | अग्निकुमारों के अधिपति | ४१८ |
| ६८१ | अच्छेरे दस | २७६ |
| ७५० | अजीव परिणाम | ४२९ |
| ६१० | अण्डज पोतज आदि आठ त्रस | १२७ |
| ७०५ | अद्धा प्रत्याख्यान | ३७६ |
| ६२० | अनन्त आठ | १४७ |
| ७२० | अनन्तक दस | ४०३ |
| ६५५ | अनुत्तर दस केवली के | २२३ |
| ६५३ | अनृद्धिप्राप्त आर्य के नौ भेद | २१९ |
| ५९४ | अनेकान्तवाद पर आठ दोष और उनका वारण | १०२ |
| ६२४ | अभिगम पाँच | १६७ |
| ७५१ | अरूपी अजीव दस जीवाभिगम | ४३४ |
| ५९९ | अल्प बहुत्व वेदों का | १०९ |
| ६४१ | अवसरज्ञ आदि जानकार के नौ भेद | २१२ |
| ६७८ | अवस्था दस | २६७ |
| ७१५ | असंक्लेश | ३८९ |
| ७११ | असंवर | ३८६ |
| ६९० | असज्झाय आकाश सम्बन्धी दस | ३५६ |
| ६९० | अस्वाध्याय (आकाशज) | ३५६ |
| ६९१ | अस्वाध्याय(औदारिक) | ३५८ |
| ६९१ | असज्झाय औदारिक | ३५८ |
| ७३१ | असुरकुमारों के अधिपति | ४१७ |
| ७०३ | अहङ्कार के कारण | ३७४ |
| ६२२ | अहिंसा की आठ उपमाएं | १५० |

आ

| | | |
|---|---|---|
| ६९० | आकाश के दस असज्झाय | ३५६ |
| ५८८ | आगार आठ आयम्बिल के | ४१ |
| ५८७ | आगार आठ एकासना के | ४० |
| ६२९ | आगार नौ निव्विगई पच्चक्खाण के | १७४ |
| ५९० | आठ कर्म | ४३ |
| ५६७ | आठ गुण सिद्ध भगवान् के | ४ |
| ५७५ | आठ गुणों वाला साधु आलोयणा देने योग्य होता है | १५ |
| ५९७ | आठ स्पर्श | १०८ |
| ५७६ | आत्मदोष की आलोयणा करने वाले के आठ गुण | १६ |

५९३ आत्मा के आठ भेद ९५
७१७ आनुपूर्वी दस प्रकार की ३९०
६९० आन्तरिक्ष अस्वाध्याय दस ३५६
५८८ आयम्बिल के आगार ४१
६३६ आयु परिणाम नौ २०४
६०० आयुर्वेद आठ ११३
६५३ आर्य अनृद्धिप्राप्त के नौ भेद २१९
६७० आलोयणा करने योग्य साधु के दस गुण २५८
६७२ आलोचना (आलोयणा) के दस दोष २५९
६७१ आलोचना (आलोयणा) देने योग्य साधु के दस गुण २५९
५७६ आलोयणा करने वाले के आठ गुण १६
५७५ आलोयणा देने वाले साधु के गुण आठ १५
५७८ आलोयणा न करने के आठ स्थान १८
५७७ आलोयणा (माया की) के आठ स्थान १६
६८७ आवश्यक के दस नाम ३५०
६६७ आशंसा प्रयोग दस २५३
६८१ आश्चर्य दस २७६

ई–उ

६०९ ईषत्प्राग्भारा पृथ्वी के आठ नाम १२६
७०४ उत्तरगुण पच्चक्खाण दस ३७५
७३७ उदधिकुमारों के दस अधिपति ४१९
६६८ उपघात दस २५४
५८५ उपदेश के योग्य आठ बातें ३९
५८४ उपदेश पात्र के आठ गुण ३८
६२२ उपमाएं आठ अहिंसा की १५०
६२३ उपमाएं आठ संघ रूपी नगर की १५६

ए–औ

५८६ एकल विहार प्रतिमा के आठ स्थान ३९
५८७ एकासना के आठ आगार ४०
६६३ एषणा के दस दोष २४२

औ

६९१ औदारिक अस्वाध्याय ३५८

क

५९२ करण आठ ९४
५९० कर्म आठ ४३
७६० कर्म और उनके कारण ४४१

६६२ कल्प दस २३४
७५७ कल्प वृक्ष दस ४४०
७४१ कल्पोपपन्न इन्द्र दस ४२०
५९५ कारक आठ १०५
५८२ कारण आठ झूठ बोलने के ३७
६३४ काल के नौ भेद २०२
६३९ काव्य के नौ रस २०७
७५४ कुरु क्षेत्र ४३८
७६६ कुलकर दस (अतीत काल के) ४४९
७६७ कुलकर दस (भविष्य-त्काल के) ४५०
६१६ कृष्ण राजियाँ १३३
६५५ केवली के दस अनुत्तर २२३
६३१ कोटियाँ नौ भिक्षा की १७६
७०२ क्रोध के नाम ३७४

ग

५८९ गंठी मुठी आदि संकेत पच्चक्खाण ४२
५९६ गण आठ १०८
५६५ गणधर आठ भगवान् पार्श्वनाथ के ३
६२५ गण नौ भगवान् महावीर के १७१
५७४ गणि सम्पदा ११
७२५ गति दस ४१३
६१३ गन्धर्व (वाणव्यन्तर) के आठ भेद १२९
५६७ गुण आठ सिद्ध भगवान् के ४
६०४ ग्रह आठ १२१
६६३ ग्रहणैषणा के दस दोष २४२

घ

६५४ चक्रवर्ती की महानिधियाँ नौ २२०
६८३ चक्रवर्ती दस दीक्षा लेने वाले २९२
६०० चिकित्सा शास्त्र आठ ११३
६०३ चित्त के आठ दोष १२०
५७४ चित्त समाधि के स्थान २६२

छ

६०२ छद्मस्थ आठ बातें नहीं देख सकता १२०
७१६ छद्मस्थ दस बातों को नहीं देख सकता ३८९

ज

६८२ विच्छिन्न बोल दस २९२
६२४ जागरिका तीन १६८
६४१ जाणकार के नौ भेद २१२
७२६ जीव दस ४१४
७२७ जीव दस ४१५
७४९ जीव परिणाम दस ४२६
७४२ जृम्भक देव दस ४२०

ज्ञ

६४१ ज्ञाता के नौ भेद २१२

५६८ ज्ञानाचार ५
७६२ ज्ञान वृद्धि करने वाले दस नक्षत्र ४४४

झ

५८२ झूठ बोलने के आ'ठ कारण ३७

त

६३३ तत्त्व नौ १७७
६२४ तीर्थंकर गोत्र बांधने वाले १६३
६१२ तृणवनस्पतिकाय १२९
७४५ तृण वनस्पतिकाय ४२२
६१० त्रस योनि आठ १२७

द

५९८ दर्शन आठ १०९
७०९ दर्शन विनय के दस बोल ३८४
५६९ दर्शनाचार आठ ६
६८५ दस श्रावक २९४
७६८ दान दस ४५०
७३८ दिक्कुमारों के अधिपति ४१९
७५३ दिशाएं दस ४३७
६८३ दीक्षा लेने वाले चक्रवर्ती २९२
५७९ दृष्टान्त आठ प्रतिक्रमण के और भेद २१
६८० दृष्टान्त दस मनुष्य भव की दुर्लभता के २७१
६८८ दृष्टिवाद के दस नाम ३५१
७२९ देवों के दस भेद ४१५
५९४ दोष आठ अनेकान्तवाद पर और उनका वारण १०२
६०३ दोष आठ चित्तके १२०
५८३ दोष वर्जनीय आठ ३८
७२३ दोष विशेष दस ४१०
७३६ द्वीपकुमारों के अधिपति ४१९
७१८ द्रव्यानुयोग ३९१

ध

६६१ धर्म दस २३३
६९२ धर्म दस (ग्रामधर्म आदि) ३६१

न

७०५ नवकारसी आदि पच्चक्खाण ३७६
६३३ नव तत्त्व १७७
७३२ नागकुमारों के अधिपति ४१८
७१९ नाम दस प्रकार का ३९५
७४७ नारकी जीव दस ४२४
७४८ नारकी जीवों के वेदना दस प्रकार की ४२५
६५२ नारद नौ २१९
५९१ नास्तिक आठ ९०
६४४ निदान (नियाणा) नौ २१५

६५४ निधियाँ नौ चक्रवर्ती की २२०
६०५ निमित्त आठ १२१
६४४ नियाणे नौ २१५
६२९ निव्विगई पच्चक्खाण के नौ आगार १७४
७४७ नेरिए (दस) स्थिति ४२४
६४२ नैपुणिक वस्तु नौ २१३
६३५ नोकषाय वेदनीय नौ २०३
६२७ नौ पुण्य १७२

प

६८९ पइन्ना दस ३५३
५८९ पच्चक्खाण में आठ प्रकार का संकेत ४२
७०५ पच्चक्खाण नवकारसी आदि ३७६
६४० परिग्रह नौ २११
७०८ पर्युपासना के परम्परा फल दस ३८३
५७० पाँच समिति तीन गुप्ति ८
६४३ पापश्रुत नौ २१४
५६५ पार्श्वनाथ भगवान के गणधर आठ ३
६२७ पुण्य के नौ भेद १७२
६७७ पुत्र के दस प्रकार २६५
६५६ पुण्यवन्त को दस बातें प्राप्त होती हैं २२४
६१८ पुद्गल परावर्तन १३६
६०८ पृथ्वियाँ आठ १२६
५७९ प्रतिक्रमण के आठ प्रकार और उनके दृष्टान्त २१
६४८ प्रतिवासुदेव नौ २१८
६६६ प्रति सेवना २५२
७०४ प्रत्याख्यान दस ३७५
६०७ प्रदेश रुचक आठ १२५
५७२ प्रभावक आठ १०
५८० प्रमाद आठ ३६
६०६ प्रयत्नादि के आठ स्थान १२४
५७० प्रवचन माता ८
६६५ प्रव्रज्या २५१
७२४ प्राण दस ४१३
५८१ प्रायश्चित्त आठ ३७
६७३ प्रायश्चित्त दस २६०

ब

६७५ बल दस २६३
६५१ बलदेव और वासुदेवों के पूर्वभव के आचार्यों के नाम २१९
६४६ बलदेव नौ २१७
६४९ बलदेवों के पूर्वभव के नाम २१८
५८५ बातें आठ उपदेश योग्य ३९
६१२ बादर वनस्पतिकाय आठ १२९
७४५ बादर वनस्पतिकाय दस ४२२

७०१ ब्रह्मचर्य के समाधि स्थान दस ३७२
६२८ ब्रह्मचर्य गुप्ति नौ १७३

भ

५६५ भगवान् पार्श्वनाथ के गणधर आठ ३
६५७ भगवान् महावीर के दस स्वप्न २२४
६२५ भगवान महावीर के नौ गण १७१
५६६ भगवान् महावीर के पास दीक्षित आठ राजा ३
६२४ म० भगवान् के शासन में तीर्थंकर गोत्र बाँधने वाले नौ जीव १६३
७६३ भद्रकर्म बांधने के दस स्थान ४४४
७३० भवनवासी देव दस ४१६
६३१ भिक्षा की नौ कोटियाँ १७६

म

७६४ मन के दस दोष ४४७
६२६ मनःपर्ययज्ञान के लिए आवश्यक नौ बातें १७२
६८० मनुष्यभव की दुर्लभता के दस दृष्टान्त २७१
७४३ महर्द्धिक देव दस ४२१
६०४ महाग्रह आठ १२१
६०५ महानिमित्त आठ १२१
६५७ महावीर के दस स्वप्न २२४
६२५ महावीर के नौ गण १७१
५६६ महावीर के पास दीक्षित राजा आठ ३
६२४ महावीर के शासन में तीर्थंकर गोत्र बाँधने वाले नौ १६३
७५८ महानदियाँ (जम्बूद्वीप के उत्तर) ४४०
७५९ महानदियाँ (जम्बूद्वीप के दक्षिण) ४४१
६५४ महानदियाँ नौ २२०
५६४ मांगलिक पदार्थ आठ ३
७०३ मान के दस कारण ३७४
५७७ माया की आलोयणा के आठ स्थान १६
५७८ माया की आलोयणा न करने के आठ स्थान १८
६९५ मिथ्यात्व दस ३६४
६९९ मिश्र भाषा दस ३७०
६५९ मुँड दस २३१
७०० मृषावाद दस ३७१

य

६६१ यतिधर्म दस २३३
६०१ योगांग आठ ११४

र

६३९ रस नौ २०७
६३३ रसपरित्याग नौ १७७
५६६ राजा आठ भगवान् महावीर के पास दीक्षा लेने वाले ३

६१६ राजियाँ आठ १३३
६०७ रुचक प्रदेश आठ १२५
६३७ रोग उत्पन्न होने के नौ स्थान २०५

ल

७५८ लब्धि २३०
६२१ लोकस्थिति आठ १४८
७५२ लोकस्थिति दस ४३६
६१५ लोकान्तिक देव आठ १३२
६४५ लोकान्तिक देव नौ २१७

व

७५६ वक्षस्कार दस (पश्चिम) ४४९
७५५ वक्षस्कार पर्वत (पूर्व) ४४९
७६५ वचन के दस दोष ४४८
५९५ वचन विभक्ति १०५
६१२ वनस्पतिकाय १२९
७४५ वनस्पतिकाय बादर दस ४२२
६१७ वर्गणाएँ आठ १३४
५८३ वर्जनीय दोष आठ ३८
६१४ वाणव्यन्तर के आठभेद १३०
७२२ वाद के दोष दस ४०६
७३९ वायुकुमारों के अधिपति ४१९
६४७ वासुदेव नौ २१७
६५० वासुदेवों के पूर्वभव के नाम २१८
६३० विगय नौ १७५
७०६ विगय दस ३८२
६८२ विच्छिन्न बोल दस २९२
७३४ विद्युत्कुमारों के अधि. ४१८
५९५ विभक्ति आठ १०५
७४४ विमान दस ४२१
६६९ विशुद्धि दस २५७
७२३ विशेष दोष दस ४१०
६३२ विसम्भोग के नौ स्थान १७६
६३५ वेदनीय नोकषाय नौ २०३
५९९ वेदों का अल्पबहुत्व १०९
७०७ वेयावच्च दस ३८२
६१४ व्यन्तर देव आठ १३०

श

७१३ शब्द दस प्रकार का ३८८
६९६ शस्त्र दस ३६४
५८४ शिक्षाशील के आठ गुण ३८
६२८ शील की नौ वाड़ १७३
६९७ शुद्ध वागनुयोग ३६५
७६३ शुभ कर्म बाँधने के दस स्थान ४४४
६६१ श्रमणधर्म दस २३३
६८४ श्रावक के लक्षण दस २९२
६८५ श्रावक दस २९४
६४३ श्रुतपाप नौ २१४
६८६ श्रेणिक की दस रानियाँ ३३३

स

५८९ संकेत पच्चक्खाण के आठ प्रकार ४२
७१४ संक्लेश दस ३८८
६१९ संख्या प्रमाण आठ १४१
७२१ संख्यान दस ४०४

६२३ संघरूपी नगर की आठ उपमाएं १५६
५७३ संयम आठ ११
७१० संवर ३८५
६६७ संसप्त योग २५३
६७९ संसार की समुद्र से उपमा दस २६९
७२८ संसार में आने वाले जीव दस ४१५
७१२ संज्ञा दस ३८६
६९८ सत्य वचन दस ३६८
६९९ सत्यामृषा भाषा ३७०
६३३ सद्भाव पदार्थ नौ १७७
७०९ समकित विनय दस ३८४
५७० समिति और गुप्ति ८
६९३ समकित के दस बोल ३६२
६६४ समाचारी दस २४९
५७१ समानता आठ प्रकार से साधु और सोने की ९
६७४ समाधि दस २६२
७०१ समाधिस्थान ब्रह्मचर्य के ३७२
६३२ सम्भोगी को विसम्भोगी करने के नौ स्थान १७६
६९४ सम्यग्दर्शन सराग ३६४
६९३ सम्यक्त्व प्राप्ति के दस बोल ३६२
६९४ सराग सम्यग्दर्शन ३६४
७२७ सर्वजीव दस ४१५
७२६ सर्वजीव दस ४१४
७६१ सातावेदनीय बांधने के दस बोल ४४३
५७१ साधु और सोने की आठ गुणों से समानता ९
५८३ साधु को वर्जनीय आठ दोष ३८
७०८ साधु सेवा के फल ३८३
५६७ सिद्ध भगवान् के आठ गुण ४
५८४ सीखने वाले के आठ गुण ३८
७६९ सुख दस ४५३
७३३ सुपर्णकुमारों के अधिपति ४१८
६११ सूक्ष्म आठ १२८
७४७ सूक्ष्म दस ४२३
७४० स्तनितकुमारों के अधि. ४२०
६७६ स्थण्डिल के दस विशेषण २६४
६६० स्थविर दस २३२
६२१ स्थिति आठ १४८
५९७ स्पर्श आठ १०८
६३८ स्वप्न के नौ कारण २०६
३५७ स्वप्न दस भगवान् महावीर के २२४